

विचार बिन्दु

बेहतर यही होगा कि आप कौशिश करें शायद इसमें आप नाकामयाब हो जाएं और उससे कुछ सीखें बजाये इसके कि आप कुछ करें ही नहीं।

-मार्क जकरबर्ग

कॉपी पेस्ट में सिमटती आज की युवा पीढ़ी

त

कनीक का कमाल देखिए कि आज की पीढ़ी कट पेस्ट तक सिमटती जा रही है। इसमें कोई दो राय भी नहीं होनी चाहिए कि कट पेस्ट की पीढ़ी में गंभीरता की मांग करना बेमानी होगा। हालांकि बात अवश्य कड़वी हो सकती है एवं इसमें कोई दो राय नहीं कि इंटरनेट, कम्प्यूटर और मोबाइल ने आज की पीढ़ी को शार्टकट की जिंदगी जीना सिखा दिया है। आज का युवा कट पेस्ट के सहारे अपना काम चला रहा है। कोई जानकारी लेनी है तो सीधा गूल गुरु की शरण में जाता है और एक ही प्रश्न से संबंधित समझी के अनेक खोल देख कर वह अपनी सुविधा के अनुसार जो उसे सही लगता है कृत किया और उसके बाद पेस्ट करें अपना काम पूरा कर लेता है। यह सिंचितीय इसलेह है कि किसी लाइना माड्यूलर सर्वेक्षण 2015 में यह समझ आया है कि डेटा, सच्चा, दस्तावेजों आदि के लिए इंटरनेट की शरण में चले जाते हैं और वहां पर जो मिलता है उसी को पेस्ट कर इतिहासी कर लिया जाता है। सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार देश में उत्तराखण्ड के युवा सबसे आगे हैं और उत्तराखण्ड के पीछे-पीछे ही बिहार के युवा हैं और बिहार के 60 प्रतिशत युवा कट पेस्ट के सहारे ही काम चला रहा है। उत्तरप्रदेश के युवाओं के हालात भी कोपोवस वही है और उत्तरप्रदेश के 56 प्रतिशत युवा कट पेस्ट का सहारा ले रहे हैं।

देखा जाए तो तकनीकी के उपयोग में कोई बदाई नहीं है अतिथ तकनीकी के उपयोग में आगे रहना समय की मांग होती है। पर बौद्धिक विकास या तार्किकता की पहली शर्त ही अध्ययन मनन होती है। सबसे बड़ी समस्या यही है कि आज का युवा पढ़ने-पढ़ाने से दूर होता जा रहा है। जिस तरह से परीक्षा के दिनों में बन विक सीरीज से काम चलाया जाता था तो उसी तरह से अब गूलग गुरु के सहारे काम चलाया जा रहा है। सबसे अधिक चिंतितीय यह है कि ऐसे में युवाओं के समग्र बौद्धिक विकास की बात करना बेमानी हो जाता है। जब एक किलक में समझी मिल जाती है तो फिर पढ़ने-पढ़ाने की जहानपत्र कौन उठाए। कोरोना के कारण ऑनलाइन कक्षाओं का चलन चला था उसके नकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। रही-सही कसर सोशियल मीडिया के पूरी कर दी है। सोशियल मीडिया पर परोसी जाने वाली सामग्री में कितना सही है और क्या सही है यह तथा करना अपने आप में जीखिम भरा काम है। परिवारों के हालात यह होते जा रहे हैं कि किताब तो दूर होती जा रही है और बच्चे और क्या बच्चे और क्या बड़े सब मोबाइल पर लगे होते हैं और अपनी संवाद करने की भी फुर्सत नहीं होती। देखा जाए तो किसीका तो लगभग समाप्त ही होती जा रही है। सोशियल मीडिया में शार्टकट मेसेजों का चलन इस कट बढ़ गया है कि कई बार तो तकनीक का उपयोग सहजता के लिए किया जाना तो उचित है पर तकनीक के नाम पर केवल शार्ट कट सीमित होना अपने आप में गंभीर चिंता का कारण बन जाता है। आवश्यकता बौद्धिक विकास और तकनीला को बढ़ावा देना होना चाहिए और अपने तकनीक उसमें सहायक तक ही सीमित रहे तो नई पीढ़ी अधिक बौद्धिक, तकनीला और अपने दायित्वों के प्रति अधिक गंभीर होगी।

शार्टकट मेसेज को डिकोड करने में ही पसीने आ जाते हैं। अब की ही बात ले तो सोशियल मीडिया पर डिल्टुरीएफ का चलन जूरी से चल रहा है। डिल्टुरीएफ का एक तो सीधा साधा अर्थ है क्या मजाक है। पर डिल्टुरीएफ के माध्यम से लोगों को डराया भी जा रहा है कि जिस तरह से 2020 में बुधवार से नए साल की शुरुआत हुई और उस साल के बुधवार से गुजराना पड़ा। इस तरह से डिल्टुरीएफ के माध्यम से लोगों को डराया जा रहा है। दउअसल कम्प्यूनिकेशन भी नहीं करता है कि एक समय था जब बच्चों की कम्प्यूनिकेशन स्कॉल तो दूर की बात शार्टकट के आधार पर ही काम चलाया जा रहा है। मजे की बात यह है कि सामने वाले से यह अपेक्षा की जाती है कि उसे सब कुछ मालूम है।

आने वाली पीढ़ी को गंभीर और चिंतनशील बनाना है तो उसे कट पेस्ट के दायरे से निकालना ही होगा। कहा जाता है कि जितना अध्ययन मनन होता है व्यक्ति उत्तना ही निखर कर आता है। जब इंटरनेट की दुनिया में जीनकारियां हैं तब्दी का उपयोग किया जाता है तो ऐसी हालत में चिंतन, मनन, चाह-चाह के प्रति कामना करना होगा। और इस दिशा में आगे बढ़ते हुए युवाओं का ब्रेनवाश करना होगा।

प्रतिश्वासी को डिकोड करने में ही पसीने आ जाते हैं। अब की ही बात ले तो सोशियल मीडिया पर डिल्टुरीएफ का चलन जूरी से चल रहा है। डिल्टुरीएफ का एक तो सीधा साधा अर्थ है क्या मजाक है। पर डिल्टुरीएफ के माध्यम से लोगों को डराया भी जा रहा है कि जिस तरह से 2020 में बुधवार से नए साल की शुरुआत हुई और उस साल के बुधवार से गुजराना पड़ा। इस तरह से डिल्टुरीएफ के माध्यम से लोगों को डराया जा रहा है। दउअसल कम्प्यूनिकेशन भी नहीं करता है कि एक समय था जब बच्चों की कम्प्यूनिकेशन स्कॉल तो दूर की बात शार्टकट के आधार पर ही काम चलाया जा रहा है। मजे की बात यह है कि सामने वाले से यह अपेक्षा की जाती है कि उसे सब कुछ मालूम है।

आने वाली पीढ़ी को गंभीर और चिंतनशील बनाना है तो उसे कट पेस्ट के दायरे से निकालना ही होगा। कहा जाता है कि जितना अध्ययन मनन होता है व्यक्ति उत्तना ही निखर कर आता है। जब इंटरनेट की दुनिया में जीनकारियां हैं तब्दी का उपयोग किया जाता है तो ऐसी हालत में चिंतन, मनन, चाह-चाह के प्रति कामना करना होगा। और इस दिशा में आगे बढ़ते हुए युवाओं का ब्रेनवाश करना होगा।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 4 जनवरी, 2025

पौष मास, शुक्र वप्त, पंचमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, शतमित्रा नक्षत्र रात्रि 9:23 तक, सिद्धि योग दिन 10:08 तक, वर कण दिन 10:51 तक, चद्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरु-वृश्चिक, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

रवियोग रात्रि 9:23 से आरम्भ होगा। बुध धनु राशि में दिन 12:03 पर प्रवेश करेगा। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौधुरीया: शुक्र 8:38 से 9:56 तक, चर 12:32 से 1:49

तक, लाभ-अमृत 1:49 से 4:25 तक। राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यस्त 5:42

मेघ आर्थिक व्यापकों के लिए उपयोग सहजता के लिए उपयोग करना अच्छा होगा। अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग करना अच्छा होगा। अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग करना अच्छा होगा।

सिंह परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहा है। परिवारों में मोर्जन के कार्यक्रम बन सकते हैं। आज सामूहिक प्रयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कारों के लिए उपयोग सहजता होती है।

धनु परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कारों के लिए उपयोग सहजता होती है।

कर्त्तव्य अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग करना अच्छा होगा। अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग करना अच्छा होगा।

मिथुन व्यावसायिक कारों में उपयोग सहजता होती है। अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग करना अच्छा होगा।

तुला व्यावसायिक कारों से संबंधित व्यावसायिक कारों के लिए उपयोग सहजता होती है। अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग करना अच्छा होगा।

कुंभ मानसिक तनाव से राहत मिलता है। अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग सहजता होती है। अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग सहजता होती है।

मीन अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग सहजता होती है। अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग सहजता होती है।

कर्क अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग सहजता होती है। अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग सहजता होती है।

वृश्चिक अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग सहजता होती है। अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग सहजता होती है।

लोकानेर में इन दिनों तेज सर्व और कोहरे का कर्क रात्रि है। अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग सहजता होती है।

संक्षेप संक्षेपिता अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग सहजता होती है।

बीकानेर, (निसं)। सर्व रातों में जिसम माफिया संक्रिया है और बेंगलुरु की अधिकारी अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग सहजता होती है।

बीकानेर, (निसं)। सर्व रातों में जिसम माफिया संक्रिया है और बेंगलुरु की अधिकारी अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग सहजता होती है।

बीकानेर, (निसं)। सर्व रातों में जिसम माफिया संक्रिया है और बेंगलुरु की अधिकारी अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग सहजता होती है।

बीकानेर, (निसं)। सर्व रातों में जिसम माफिया संक्रिया है और बेंगलुरु की अधिकारी अपने अपने व्यापकों के लिए उपयोग सहजता होती है।